

Overview of corporate governance, importance, issue and obligation

B Com-Major 20

Dr. Santosh Kumar Lal

Overview of Corporate Governance

Corporate governance refers to the system of rules, practices, policies, and processes through which a company is directed and controlled. It defines the relationship among the board of directors, management, shareholders, and other stakeholders.

Corporate governance ensures that a company operates ethically, transparently, responsibly, and in the best interests of its stakeholders.

Main elements of corporate governance:

1. Transparency: Providing accurate and timely information about company activities.
2. Accountability: Making directors and managers answerable for their decisions.
3. Fairness: Treating all shareholders and stakeholders equitably.
4. Responsibility: Following laws, rules, and ethical standards.
5. Independence: Ensuring impartial decision-making and avoiding conflicts of interest



कॉरपोरेट गवर्नेंस या निगमित अभिशासन उन नियमों, नीतियों, प्रक्रियाओं एवं व्यवस्थाओं की प्रणाली है, जिसके माध्यम से किसी कंपनी का संचालन और नियंत्रण किया जाता है। यह निदेशक मंडल, प्रबंधन, शेयरधारकों तथा अन्य हितधारकों के बीच संबंधों को निर्धारित करता है।

कॉरपोरेट गवर्नेंस यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी का संचालन नैतिकता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा हितधारकों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाए।

कॉरपोरेट गवर्नेंस के प्रमुख तत्व:

1. पारदर्शिता (Transparency): कंपनी की गतिविधियों की सही एवं समय पर जानकारी देना।
2. जवाबदेही (Accountability): निदेशकों एवं प्रबंधकों को उनके निर्णयों के प्रति उत्तरदायी बनाना।
3. निष्पक्षता (Fairness): सभी शेयरधारकों एवं हितधारकों के साथ समान व्यवहार करना।
4. उत्तरदायित्व (Responsibility): कानूनों, नियमों एवं नैतिक मानकों का पालन करना।
5. स्वतंत्रता (Independence): निष्पक्ष निर्णय लेना तथा हितों के टकराव से बचना।




AUDIT REPORT 2023
COMPLIANCE FRAMEWORK
RISK MANAGEMENT
RISK
MANAGEMENT
TRANSPARENCY
STAKEHOLDER NETWORK
GOVERNANCE FOUNDATION
STAKEHOLDER NETWORK

Importance of Corporate Governance

Corporate governance plays an important role in the success, stability, and long-term growth of a company. Its major benefits are:

1. Builds investor confidence: Good governance increases the trust of investors and shareholders.
2. Ensures transparency: It promotes accurate financial reporting and disclosure of important information.
3. Prevents fraud: Effective controls help reduce corruption, misuse of funds, and financial irregularities.
4. Improves decision-making: Clear responsibilities and independent oversight support better decisions.
5. Protects stakeholders: It safeguards the interests of employees, customers, creditors, and shareholders.
6. Ensures legal compliance: It encourages companies to follow applicable laws and regulations.
7. Promotes long-term growth: Responsible management improves reputation and sustainable business performance.



कॉरपोरेट गवर्नेंस का महत्त्व

कॉरपोरेट गवर्नेंस किसी कंपनी की सफलता, स्थिरता एवं दीर्घकालीन विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं:

1. निवेशकों का विश्वास बढ़ाना: अच्छी शासन व्यवस्था से निवेशकों एवं शेयरधारकों का विश्वास बढ़ता है।
2. पारदर्शिता सुनिश्चित करना: सही वित्तीय विवरण एवं आवश्यक सूचनाओं का प्रकटीकरण होता है।
3. धोखाधड़ी की रोकथाम: प्रभावी नियंत्रण से भ्रष्टाचार, धन के दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितताओं को कम किया जा सकता है।
4. बेहतर निर्णय लेना: स्पष्ट जिम्मेदारियों एवं स्वतंत्र निगरानी से निर्णय लेने की प्रक्रिया सुधरती है।
5. हितधारकों के हितों की रक्षा: कर्मचारियों, ग्राहकों, ऋणदाताओं एवं शेयरधारकों के हित सुरक्षित रहते हैं।
6. कानूनी अनुपालन: कंपनी लागू कानूनों एवं नियमों का पालन करती है।
7. दीर्घकालीन विकास: जिम्मेदार प्रबंधन से कंपनी की प्रतिष्ठा एवं व्यावसायिक स्थिरता बढ़ती है।



Issues of Corporate Governance

Corporate governance faces several challenges that may affect the efficiency and credibility of a company.

1. Conflict of interest: Personal interests of directors or managers may conflict with company interests.
2. Lack of transparency: Concealing financial information or providing misleading reports reduces trust.
3. Weak board supervision: Ineffective monitoring by the board may lead to poor decisions.
4. Misuse of power: Directors or senior executives may use their authority for personal benefit.
5. Fraud and corruption: Financial manipulation, bribery, and misuse of company assets damage the organisation.
6. Protection of minority shareholders: Minority shareholders may be ignored in important corporate decisions.
7. Poor risk management: Failure to identify and control risks can cause financial losses.
8. Unethical practices: Discrimination, misleading disclosures, and disregard for social or environmental responsibilities weaken governance.



कॉरपोरेट गवर्नेंस की समस्याएँ

कॉरपोरेट गवर्नेंस के सामने अनेक समस्याएँ होती हैं, जो कंपनी की कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती हैं।

1. हितों का टकराव: निदेशकों या प्रबंधकों के व्यक्तिगत हित कंपनी के हितों से टकरा सकते हैं।
2. पारदर्शिता का अभाव: वित्तीय सूचनाएँ छिपाना या भ्रामक विवरण देना विश्वास को कम करता है।
3. निदेशक मंडल की कमजोर निगरानी: प्रभावी निगरानी के अभाव में गलत निर्णय लिए जा सकते हैं।
4. शक्तियों का दुरुपयोग: वरिष्ठ अधिकारी अपने पद एवं अधिकारों का उपयोग निजी लाभ के लिए कर सकते हैं।
5. धोखाधड़ी एवं भ्रष्टाचार: वित्तीय हेराफेरी, रिश्वतखोरी और कंपनी की संपत्ति का दुरुपयोग संगठन को नुकसान पहुँचाते हैं।
6. अल्पमत शेयरधारकों के हितों की उपेक्षा: महत्त्वपूर्ण निर्णयों में छोटे शेयरधारकों के हितों की अनदेखी हो सकती है।
7. जोखिम प्रबंधन की कमजोरी: जोखिमों की पहचान एवं नियंत्रण न होने से वित्तीय हानि हो सकती है।
8. अनैतिक व्यवहार: भेदभाव, भ्रामक सूचनाएँ तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय जिम्मेदारियों की उपेक्षा शासन व्यवस्था को कमजोर करती है।





Obligations of Corporate Governance

Obligations of corporate governance are the duties and responsibilities that a company, its directors, and its management must fulfil to ensure lawful, ethical, and accountable business operations.

The major obligations include:

1. Legal compliance: Complying with company law, securities regulations, and other applicable laws.

2. Disclosure of information: Providing accurate financial statements and material information to shareholders and regulators.

3. Fiduciary duty: Directors must act in good faith, exercise due care, and act in the best interests of the company, subject to applicable law.

4. Protection of shareholders: Safeguarding shareholder rights and ensuring fair treatment.

5. Ethical conduct: Preventing bribery, fraud, corruption, and conflicts of interest.

6. Risk management: Establishing internal controls and systems to identify and manage risks.

7. Accountability: Taking responsibility for corporate decisions and performance.

8. Social responsibility: Considering the legitimate interests of employees, customers, communities, and the environment.



कॉरपोरेट गवर्नेंस के दायित्व

कॉरपोरेट गवर्नेंस के दायित्वों से तात्पर्य उन कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों से है, जिन्हें कंपनी, उसके निदेशकों तथा प्रबंधन को कानूनी, नैतिक एवं जवाबदेह व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करने के लिए पूरा करना चाहिए।

इसके प्रमुख दायित्व निम्नलिखित हैं:

1. कानूनी अनुपालन: कंपनी कानून, प्रतिभूति संबंधी नियमों एवं अन्य लागू कानूनों का पालन करना।

2. सूचनाओं का प्रकटीकरण: शेयरधारकों एवं नियामक संस्थाओं को सही वित्तीय विवरण तथा महत्त्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना।

3. विश्वासगत दायित्व: निदेशकों को सद्भावना से कार्य करना, उचित सावधानी बरतना तथा लागू कानून के अनुसार कंपनी के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेना चाहिए।

4. शेयरधारकों की सुरक्षा: शेयरधारकों के अधिकारों की रक्षा करना तथा उनके साथ निष्पक्ष व्यवहार करना।

5. नैतिक आचरण: रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं हितों के टकराव को रोकना।

6. जोखिम प्रबंधन: जोखिमों की पहचान एवं नियंत्रण के लिए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली स्थापित करना।

7. जवाबदेही: कंपनी के निर्णयों एवं प्रदर्शन के प्रति जिम्मेदारी स्वीकार करना।

8. सामाजिक उत्तरदायित्व: कर्मचारियों, ग्राहकों, समुदाय एवं पर्यावरण के वैध हितों का ध्यान रखना।



Conclusion (निष्कर्ष)

Corporate governance is an essential part of a sound business environment. It promotes transparency, accountability, fairness, and ethical management. Effective corporate governance protects stakeholders, strengthens investor confidence, reduces corporate misconduct, and supports sustainable business growth.

कॉरपोरेट गवर्नेंस एक स्वस्थ व्यावसायिक पर्यावरण का आवश्यक अंग है। यह पारदर्शिता, जवाबदेही, निष्पक्षता एवं नैतिक प्रबंधन को बढ़ावा देता है। प्रभावी कॉरपोरेट गवर्नेंस हितधारकों के हितों की रक्षा करता है, निवेशकों का विश्वास बढ़ाता है, अनियमितताओं को कम करता है तथा व्यवसाय के सतत विकास में सहायता करता है।

